|  |
| --- |
| 20. Mai 2024 |
| **Pfingstmontag B Maria, Mutter der Kirche** |
| Erste Lesung: Apg 8,1b.4.14-17 oder Ez 37,1-14; Zweite Lesung: Eph 1,3a.4a.13-19a; Evangelium: Lk 10,21-24 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 347, 1+3+5 | Der Geist des Herrn |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 156 | Kyrie eleison |
|  | GL 165 | Send uns deines Geistes Kraft |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 171 | Preis und Ehre |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 22,23-24.26-28 u. 31b-32 |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 616, 3 | Der Name des Herrn |
|  | oder |  |
|  | GL 346, 1-3 | Atme in uns, Heiliger Geist |
|  | GL 619, 1+2 | Alles, was Odem hat |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 2 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Komm, Heiliger Geist,* |  |
|  | *erfülle die Herzen deiner Gläubigen* |
|  | *und entzünde in ihnen das Feuer deiner Liebe!* |
|  |  |  |
| Fürbitt-Ruf: | GL 645, 3 | Sende aus deinen Geist |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 764, 1+2+5 | Send deinen Geist |
|  | GL 767, 1-4 | Dein Geist weht, wo er will |
|  | GL 710 | Unser Leben sei ein Fest |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 194 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 208 |  Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 468 | Gott gab uns Atem |
|  | GL 456, 2+4! | Jesus, unser Bruder |
|  | GL 453, 1-4! | Bewahre uns Gott |
|  | GL 766, 1-3 | Komm, Heilger Geist |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 534 | Maria, breit den Mantel aus |
|  | GL 823, 1-3! | Glorwürdge Königin |
|  | GL 395, 1-3 | Den Herren will ich loben |
|  | GL 389, 3+4 | Dass du mich einstimmen lässt |